वीर कुँवर सिंह विश्वविद्यालय, आरा

नये सत्र से प्रभावी

स्नातक खण्ड – II

सामान्य हिन्दी (रचना अनिवार्य)

कला/विज्ञान/वाणिज्य

(सामान्य एवं प्रतिष्ठा दोनों वर्गो के लिए)

समय : 3 घंटा **पूर्णांक :100**

अंक विभाजन

(क) पाठ्यपुस्तक से आलोचनात्मक प्रश्न	:	15 X 3 = 45 अंक
(ख) पाठ्यपुस्तक से व्याख्यात्मक प्रश्न	:	10 X 2 = 20 अंक
(ग) निबंध– (सामाजिक, प्राकृतिक, सांस्कृतिक वैज्ञानिक एवं सामाजिक विषयों पर आधारित)	:	= 20 अंक
(घ) व्याख्या, संवाद लेखन अपठित गद्यांश पर आधारित	:	= 15 अंक
(ङ) पत्र लेखन/प्रारूपन एवं टिप्पण	:	= 15 अंक
		कुल– 100 अंक

निर्धारित पाठ्य पुस्तकें :

1. **उत्तर सीता चरित –** कलक्टर सिंह केसरी
2. **प्रतिनिधि एकांकी –** सम्पादक– डॉ0 नीरज सिंह
   निर्धारित एकांकी–
   - (i) पृथ्वीराज की ऑखें – डॉ0 राम कुमार वर्मा ।
   - (ii) तौलिए– उपेन्द्रनाथ अश्क।
   - (iii) स्ट्राइक – भुवनेश्वर।
   - (iv) रीढ़ की हड्डी – जगदीश चन्द्र माथुर।
   - (v) नीली झील– धर्मवार भारती।
   - (vi) बाबर की ममता – देवेन्द्र शर्मा।
   - (vii) बेकारी का इलाज– रामेश्वर सिंह 'कश्यप'।

अभिस्तावित ग्रंथ :

1. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना– डॉ0 वासुदेव नंदन प्रसाद, भारतीय भवन, पटना।
2. हिन्दी व्याकरण – डॉ0 रामप्यारे तिवारी।
3. राजहंस निबंध – नवीन संस्करण।

: **स्नातक खण्ड – II**

कला / विज्ञान / वाणिज्य

हिन्दी रचना (अहिन्दी भाषियों के लिए)

समय : 1 घंटा 30 मिनट **पूर्णांक :50**

अंक विभाजन :

1.	पाठ्य पुस्तक से परिचयात्मक प्रश्न दो (कविता का अर्थ एवं कवि परिचय)	:	10 X 2 = 20 अंक
2.	निबंध–सामाजिक, राष्ट्रीय, पर्व–त्योहार, समस्याएँ विज्ञान एवं प्रकृति विषय पर आधारित।	:	15 X 1 = 15 अंक
3.	व्याकरण–विपरीतार्थक शब्द, अर्थ युक्त वाक्य–		
4.	प्रयोग तथा लिंग–निर्णय, वाक्य शोधन, मुहावरे	:	= 15 अंक
			कुल = 50 अंक

निर्धारित पाठ्य ग्रंथ :

1. **पद्य संग्रह : सम्पादक** : प्रोफेसर रामेश्वर नाथ तिवारी, अनुपम प्रकाशन, पटना।
   निर्धारित पाठ : कबीर, रहीम, मैथिली शरण गुप्त, बच्चन, दिनकर।

सहायक ग्रंथ :

1. **आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना** – डॉ0 वासुदेव नन्दन प्रसाद, भारतीय भवन, पटना।
2. **राजहंस निबंध** – नवीन संस्करण।

स्नातक खण्ड – 2
हिन्दी प्रतिष्ठा
तृतीय पत्र
(हिन्दी साहित्य का इतिहास एवं काव्य–रीतिकाल से द्विवेदी युग तक)

समय : 03 घंटे पूर्णांक : 100

अंक विभाजन :

(1) इतिहास में आलोचनात्मक प्रश्न	:	15 x 2 = 30 अंक
(2) काव्य से आलोचनात्मक प्रश्न	:	15 x 2 = 30 अंक
(3) सप्रसंग व्याख्या–	:	10 x 2 = 20 अंक
(4) समस्त अध्ययन पर आधारित लघुत्तरी एवं वस्तुनिष्ठ प्रश्न–	:	
5 प्रश्न लघुत्तरी	:	5 X 2 = 10 अंक
10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न	:	10 X 1 = 10 अंक
		कुल = 100 अंक

निर्धारित पाठ्य ग्रन्थ :

1. **हिन्दी साहित्य का इतिहास** : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ;रीतिकाल से द्विवेदी युग तकद्ध।
2. **रीतिकाल– सम्पादक**– डॉ0 बद्रीनाथ तिवारी एवं डॉ0 नन्दजी दुबे।

पाठ्यांस –

केशवदास –	–	रामचन्द्रिका	–	मंगलाचरण, सीतास्वयंवर
		रसिकप्रिया	–	छंद – 10 अंक
		कवि प्रिया	–	ऋतुवर्णन – 7 छंद
बिहारी	–	भक्ति	–	6 दोहे
		संयोग श्रृंगार	–	20 दोहे
		वियोग श्रृंगार	–	10 दोहे
		प्रकृति	–	10 दोहे
		नीति	–	10 दोहे
		मतिराम	–	प्रारम्भ से 20 छंद
भूषण	–	शिवाजी प्रशस्ति	–	15 छंद
		सेनापति	–	गंगा महोत्मय
		देव	–	रूप तरंग श्रृंगार वर्णन
		पद्याकर	–	10 छंद
		घनआनन्द	–	10 छंद
		द्रुत पाठ हेतु	–	बाधा, ठाकुर, आलम, रत्नाकर, भिखारी, दास

अभिस्तावित ग्रन्थ :

1. हिन्दी साहित्य– आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी।
2. हिन्दी साहित्य का अतीत– भाग–2, आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र।
3. रीतिकाव्य की भूमिका– डॉ0 नगेन्द्र।
4. रीति साहित्य– डॉ0 राम विलास शर्मा।
5. भारतेन्दु– युग– डॉ0 राम विलास शर्मा।
6. साहित्यिक निबंध– डॉ0 त्रिभुवन सिंह।
7. साहित्यिक निबंध– डॉ0 यश गुलाटी।
8. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण– डॉ0 राम विलास शर्मा।
9. बिहारी की वाग्विभूति– आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र।

हिन्दी प्रतिष्ठा
चतुर्थ पत्र

समय : 03 घंटे **पूर्णांक : 100**

अंक विभाजन :

1.	आलोचनात्मक प्रश्न	: 15 x 3 = 45 अंक
2.	व्याख्यात्मक प्रश्न	: 10 x 3 = 30 अंक
3.	लघुत्तरी एवं टिप्पणी परक प्रश्न	: 5 X 2 = 10 अंक
4.	वस्तुनिष्ठ प्रश्न (हिन्दी समीक्षा के विकास पर आधारित प्रश्न)	: 15 X 1 = 15 अंक
		कुल = 100 अंक

निर्धारित पाठ्य ग्रंथ :

1. **चन्द्रगुप्त नाटक–** जयशंकर प्रसाद।
2. **श्रेष्ठ ललित निबंध –** सम्पादक– डॉ0 नन्दजी दुबे, जयभारतीय प्रकाशन, इलाहाबाद।
   निर्धारित पाठ : 3. मैं धोबी हूँ– शिवपूजन सहाय, 4. शिरीष के फूल– हजारी प्रसाद द्विवेदी, 5. शेविंग : एक कला– भुवनेश्वर नाथ मिश्र 'माधव', 6. रत्न– नलिन विलोचन शर्मा, 7. जेब–प्रभाकर मांचवे, 8. दाढ़ी– देवेन्द्र नाथ शर्मा, 9. भोर का आह्वान–विद्या निवास मिश्र, 10. केक्टस–धर्मवीर भारती, 11. मान जा मेरे मन– रामेश्वर सिंह कश्यप, 12. मेरी शादी–नन्दु जी दूबे।
   दूत पाठ हेतु लेखक परिचय : पाण्डेय वेचन शर्मा उग्र, बालमुकुन्द गुप्त, माखन लाल चतुर्वेदी, सरदार पूर्ण सिंह, रामचन्द्र शुक्ल, अज्ञेय, डॉ0 नगेन्द्र बेढज्ञव बनारसी, डॉ0 राम विलास शर्मा, यशपाल जैन, भगवशरण उपाध्याय, कुबेरनाथ राय।
3. **समीक्षात्मक निबंध** – सम्पादक– डॉ0 दीनानाथ सिंह, अनुपम प्रकाशन, पटना।
   निर्धारित पाठ–प्रारम्भ के चार पाठ।

अभिस्तावित ग्रंथ :

1. **हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास** : डॉ0 दशरथ ओझा।
2. **हिन्दी नाटक** : डा0 बच्चन सिंह, राधा कृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. **हिन्दी गद्य विन्यास और विकास** : डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोक भारतीय प्रकाशन, इलाहाबाद।

4. **आधुनिक साहित्यिक निबंध** : डॉ0 त्रिभुवन सिंह।

संस्कृत (प्रतिष्ठा)
तृतीय–पत्र

समय : **03** घंटे पूर्णांक : **100**

1. **कादम्बरी– शुकनासोपदेश – बाणभट्ट।**
2. **शिवराज विजय – प्रथम एवं द्वितीय निःश्वास – पं0 अम्बिका दत व्यास।**
3. **दश कुमार चरित – (दण्डी) पूर्वपीठिका का पंचम उच्छवास मात्र।**

आलोचनात्मक प्रश्न (प्रत्येक से एक–एक) – 15x3 = 45 अंक
व्याख्या केवल गद्यांश से – 2 – 25 अंक
अनुवाद (प्रत्येक से एक–एक) – 10x3 = 30 अंक

संस्कृत (प्रतिष्ठा)
चतुर्थ–पत्र

समय : **03** घंटे पूर्णांक : **100**

व्याकरण – नाटक

1. नाटक – (क) – अभिज्ञानशाकुन्तलम् – 60 अंक
   आलोचनात्मक प्रश्न – दो 14ग2 त्र 28 अंक
   अनुवाद–दो– 6x2 = 12 अंक
   संस्कृत में व्याख्या– 10x2 = 20 अंक
   (ख) दरिद्र चारूदतम– 20 अंक
   आलोचनात्मक प्रश्न–दो–12 अंक
   अनुवाद – एक– 6 अंक
2. व्याकरण– स्त्री प्रत्यय प्रकरणम् सिद्वान्त कौमुदी
   सूत्र व्याख्या – तीन– 4x3 = 12 अंक
   पुल्लिंग से स्त्रीलिंग–2x4 = 8 अंक

दर्शनशास्त्र (प्रतिष्ठा)
तृतीय–पत्र
नीतिशास्त्र

समय : 03 घंटे **पूर्णांक : 100**

1. नीतिशास्त्र का स्वरूप।
2. नैतिक प्रत्यय–उचित एवं शुभ कर्तव्य–दायित्व।
3. नैतिक तथा नीति शून्य कर्म।
4. नैतिक कर्म का विश्लेषण।
5. नैतिकता की आवश्यकता।
6. नैतिक मान्यता के रूवरूप।
7. नैतिक प्रयोजन के विषय–प्रयेजन, अभिप्राय।
8. नैतिकता का मापदंड–बाह्म नियम, बुद्विवाद, अन्त प्रजावाद, आत्मपूर्णतावाद।
9. दंड के सिद्वांत–प्रतिकारवाद, सुधारवाद तथा अन्य।
10. भारतीय नीति वर्णाश्रम–पुरूषार्थ, गीता की नीति।

अभिस्तावित पुस्तकें :

1. आचारशास्त्र – ए0 के0 वर्मा, 2, नीतिशास्त्र– बी0 एन0 सिंह।

दर्शनशास्त्र (प्रतिष्ठा)
चतुर्थ–पत्र
पाश्चात्य दर्शन का इतिहास

समय : 03 घंटे **पूर्णांक : 100**

1. देकार्त सिद्वान्त, आत्मा का स्वरूप, ईश्वर गुण, विस्तार, तर्क, विश्व द्रव्य विचार तथा मन और शरीर सम्बन्ध।
2. स्पिनोजा–विस्थापन, द्रव्य विचार गुण, प्रयास तथा मन और शरीर सम्बन्ध।
3. लाईव निट्ज–मोनाडस, ईश्वर, पूर्व स्थापित सामंजस्य।
4. वर्कले–मत का खंडन, सत्ता अनुभवमूलक है।
5. हम–संस्कार तथा प्रत्यय, कार्य कारण तथा सन्देहवाद।
6. कान्ट–धारण, ज्ञान की रचना, सन्देहवाद, समय तथा दूरी, पदार्थ, घटनाएँ तथा परासता।

अभिस्तावित पुस्तकें :

1. बद्रीनाथ सिंह– पाश्चात्य दर्शन।
2. ए0 के0 वर्मा– पाश्चात्य दर्शन।
3. वार्ड मसीह– पाश्चात्य दर्शन।

दर्शनशास्त्र (सहायक)
द्वितीय–पत्र
तत्त्व विज्ञान एवं नीतिशास्त्र

समय : 03 घंटे **पूर्णांक : 100**

1. दर्शनशास्त्र की प्रकृति।
2. ज्ञान के साधन सम्बन्धी सिद्वान्त, अनुभववाद, समीक्षावाद।
3. तत्त्व सम्बन्धीमत का सिद्वांत, भौतिकवाद, प्रत्ययवाद।
4. ईश्वर एवं विश्व के सम्बन्ध सम्बन्धी सिद्वान्त।
5. नीतिशास्त्र की प्रकृति।
6. नैतिक एवं अनैतिक सक्रियता।
7. नैतिक निर्णय की प्रकृति एवं वस्तु नैति मान्यताएँ।
8. नैतिकता के स्वीकृत तथ्य।
9. नैतिक सिद्वांत–सुखवाद, पूर्णतावाद, कठोरतावाद।

सहायक पुस्तकें :

1. दर्शनशास्त्र की रूपरेखा– राजेन्द्र प्रसाद
2. आचारशास्त्र– ए0 के0 वर्मा

राजनीतिशास्त्र (प्रतिष्ठा)
तृतीय–पत्र
भारतीय राजनीति व्यवस्था

समय : 03 घंटे **पूर्णांक : 100**

(अ) **भारतीय राजनीति की व्यवस्था की विशेषताएँ :**

1. संविधान सभा एवं भारतीय राजनीति उपलब्धि
2. भारतीय संविधान के दार्शनिक, सामाजिक, आर्थिक तत्व
3. प्रस्तावना
4. मूलभूत अधिकार एवं कर्तब्य
5. राजनीति के निर्देशक तत्व

(ब) **सरकारी व्यवस्था–बनावट एवं कार्य :**

1. केन्द्रीय सरकार, वैधानिक, न्यायिक, संवैधानिक
2. राज्य सरकार, वैधानिक, न्यायिक, संवैधानिक
3. संविधान संशोधन के रूप
4. लोक सेवा आयोग
5. निर्वाचन आयोग–संगठन अधिकार एवं कार्य।

(स) **भारतीय राजनीति–**

1. स्वरूप एवं प्रवृति

2. आधार एवं निर्धारण–जातीयता, धार्मिकता, साम्प्रदायिकता, नवीनता एवं पौराणिकता
3. भारतीय राजनैतिक दल
4. दबाव समूह
5. कर्तब्यच्युत
6. मत व्यवहार

सहायक पुस्तकें :

1. भारतीय शासन प्रणाली – गॉधी जी राय
2. भारतीय राजनीति एवं शासन–पुखराज जैन

चतुर्थ–पत्र
अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति
(द्वितीय विश्वयुद्व के बाद)

समय : 03 घंटे **पूर्णांक : 100**

1. अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के अर्थ, विकाय, स्वरूप, क्षेत्र
2. अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति के अध्ययन के स्रोत
3. दार्शनिक दृष्टिकोण–मारगेन्थू का यथार्थवादी दृष्टिकोण और आदर्शवादी सिद्वांत
4. निर्णयीकरण उपसगम और नीति नियोजन (Decision making Approach and Policy planning)
5. भारतीय विदेश नीति।
6. अमेरिका की विदेश नीति।
7. रसियन विदेश नीति।
8. साम्यवादी चीन की विदेश नीति।
9. अमेरिका से भारत का संबंध।
10. सोवियत रूस से भारत का संबंध।
11. चीन से भारत का संबंध
12. भारत एवं उसके पड़ोसियों का संबंध विशेषकर पाकिस्तान, बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल के संबंध में।
13. संयुक्त राष्ट्रसंघ–उद्देश्य, संगठन एवं महत्व।
14. गुटनिरपेक्ष आन्दोलन।

सहायक पुस्तकें :

1. अन्तर्राष्ट्रीय राजनीति–फाड़िया
2. अर्न्राष्ट्रीय राजनीति–गॉधी जी राय, भारतीय भवन, पटना।
3. अन्तर्राष्ट्रीय संगठन– गॉधी जी राय, जानकी प्रकाशन, पटना।
4. अर्न्राष्ट्रीय संबंध – डॉ0 दीनानाथ वर्मा।

राजनीति विज्ञान (सहायक)

विश्व के प्रमुख संविधान–इंग्लैंड, अमेरिका, भारत

समय : 03 घंटे **पूर्णांक : 100**

(क) इंग्लैण्ड – 1. इंग्लैंण्ड की राजनैतिक परम्परा, 2. संसदीय सरकार, राजतेत्र, मंत्री परिषद एवं संसद, 3. कानून एवं न्याय प्रणाली, 4. राजनैतिक दल एवं दबाव समूह।

(ख) अमेरीका– 1. अमेरीका की राजनैतिक परम्परा, 2. संघीय प्रणाली, 3. मौलिक अधिकार, 4. संघीय सरकार, राष्ट्रपति, सर्वोच्च न्यायालय की कांग्रेस, 5. राजनैतिक दल एवं दबाव समूह।

(ग) भारत –1. मुख्य लक्षण, इसके सामाजिक, आर्थिक, दार्शनिक आधार, 2. मौलिक अधिकार, 3. राज्य नीति के मुख्य सिद्वांत, 4. संघ एवं राज्य सम्बन्ध, 5. संघीय विधान, 6. लोकसभा, 7. सर्वोच्च न्यायालय, 8. राजनैतिक दल एवं दबाव समूह, 9. धार्मिक एवं राष्ट्रीय समीकरण।

सहायक पुस्तकें :

1. विश्व के प्रमुख संविधान–वीरकेश्वर प्रसाद सिंह।
2. भारतीय शासन प्रणाली–गॉधी जी राय।
3. प्रमुख राष्ट्रों के संविधान–गॉधी जी राय।

इतिहास (प्रतिष्ठा)

तृतीय–पत्र

पूर्व मध्यकालीन भारत (6^{th}-13^{th} early A.D.)

1. वद्वनों और मौखरियों का उत्थान।
2. हर्षवर्द्वन का सैन्य सुधार, प्रकाशन और सांस्कृतिक योगदान।
3. कन्नौज पर आधिपत्य के लिए त्रिकोणात्मक संघर्ष।
4. पाल वंश – धर्मपाल, देवपाल, पालों के सांस्कृतिक योगदान।
5. गुर्जरों प्रतिहारोंका राजनीतिक और सांस्कृतिक इतिहास।
6. राजकूटों का राजनीतिक और सांस्कृतिक इतिहास।
7. पल्लवों का राजनीतिक और सांस्कृतिक इतिहास।
8. चोलवंश चोल साम्राज्य की उत्पति और विस्तार चोलों के सैन्य संगठन, स्वशासन, प्रशासन की विशेषताएँ।
9. राजपूतों की उत्पति।
10. अरबों का सिन्ध पर आक्रमण, स्वरूप और महत्व।
11. तुर्को का भारत पर आक्रमण, स्वरूप और महत्व।
12. भारत में भक्ति आन्दोलन–अल्वर और नयनार।
13. भू–दान का प्रारम्भ और सामन्तवादी ।

इतिहास (प्रतिष्ठा)

चतुर्थ–पत्र

आधुनिक यूरोप (1789-1945)

निर्धारित अध्याय :

1. पुरातन व्यवस्था, 2. फ्रांस की राज्यक्रांती–कारण, परिणाम एवं महत्व, 3. नेपोलियन बोनापार्ट–उदय, फ्रांस, इटली और जर्मनी में उसकी देने, पतन के कारण, 4. वियना सम्मेलन और यूरोपीय व्यवस्था, 5. फ्रांसीसी क्रान्तियॉ– 1830 ई0 की फरवरी क्रांति और ई0 की जुलाई क्रांति, कारण और परिणाम, 6. क्रीमिया युद्व–परिणाम, 7. लुई नेपोलियन तृतीय : विदेश नीति, 8. जार अलेक्जेन्डर– II मुक्तिदाता, 9. प्रथम विश्व युद्व : कारण और परिणाम, 10. वर्साय सन्धि (1919), 11. राष्ट्रसंघ : गठन, कार्य और विफलता के कारण, 12. आर्थिक संकट (1929-31), 13. इटली में मुसोलिनी का उदय, 14. जर्मनी में हिटलर का उदय, 15. द्वितीय विश्वयुद्व–कारण और परिणाम, 16. संयुक्त राष्ट्रसंघ–जन्म, गठन और कार्य।

ग्रन्थ– संदर्भ :

1. आधुनिक यूरोप का इतिहास– डा0 दीनानाथ शर्मा
2. आधुनिक यूरोप–कौलेश्वर राय

इतिहास (सहायक)

पत्र – II भारत का इतिहास (1206-1857)

1. बलवन की उपलब्धियॉ।
2. अलाउद्दीन खिलजी की उपलब्धियॉ।
3. मुहम्मद–बिन–तुगलक की उपलब्धियॉ।
4. दिल्ली सल्तनत के अन्तर्गत शासन, कला स्थापत्य कला एवं साहित्य।
5. बाकर द्वारा मुगल साम्राज्य की स्थापना।
6. हुमायूँ और शेरशाह के बीच संघर्ष।
7. अकबर और धार्मिक नीति एवं राष्ट्रीय सम्राट का दावा।
8. मुगल साम्राज्य के पतन के लिए औरंगजेब का उत्तरदायित्व।
9. मुगलकालिन समाज, अर्थब्यवस्था, कला एवं साहित्य।
10. मराठों का उत्थान शिवाजी तक और सिक्ख का उत्थान गुरूगोविन्द सिंह तक।
11. भारत में यूरोपिय व्यापारिक कम्पनियॉ का आगमन।
12. पलासी और बक्सर युद्व के कारण, प्रकृति और महत्व।
13. आंग्ल–मैसूर संबंध टीपु सुल्तान तक।
14. बिलियम बैंटिक के सुधार, अंग्रेजी शिक्षा का विस्तार।
15. 1857 ई0 के विद्रोह, कारण, स्वरूप और प्रभाव।

मनोविज्ञान (सहायक)
द्वितीय–पत्र
(असामान्य मनोविज्ञान)
खण्ड (क)

समयः 3 घंटे **पूर्णांक : 100**

प्रत्येक अध्याय से एक–एक प्रश्न पूछे जायेंगे। तीन प्रश्नों का उत्तर देना है–

1. सामान्य तथा असामान्य में अन्तर, असमानता के विभिन्न विचार।
2. अचेतन–प्रकृति उपाह, अहं, पराह।
3. दैनिक जीवन में मनोविकृतियॉ एवं मनोरचकताएँ, दमन, उदात्तीकरण, युवत्याभास प्रक्षेपण।
4. स्वप्न–मनोरचकताएँ एवं इच्छापूर्ति, स्वप्न का सिद्वांत।
5. स्नायु विकृति एवं मन स्नायु विकृतियों में अन्तर–उन्माद मनोग्रन्थि बाध्यता, मनोस्नायु विकृति दुर्बलता एवं लक्षण।
6. मनोचिकित्सा–अर्थ, प्रयोग, मूल्यांकन।

सहायक पुस्तकें :

1. असामान्य मनोविज्ञान–सिन्हा एवं मिश्रा
2. असामान्य मनोविज्ञान–नगीना प्रसाद

खण्ड (ख)
मनोविज्ञान प्रायोगिक

समयः 4 घंटे **पूर्णांक : 50**

सांख्यिकी– 10, टेस्ट– 10, प्रयोग– 20, नोटबुक प्रयोग एवं टेस्ट – 10

सांख्यिकी 10– आवृत्ति, वितरण तालिका बनाना एवं आवृत्ति बहुभुज, मध्यमान, मध्याक, प्रमाणिक विचलन।

परीक्षण 10 – कोई ब्लाक डिजाइन परीक्षण, पास एलेग परीक्षण, धन तचना परीक्षण।

प्रयोग 20– परीक्षार्थी को दो सेट में एक प्रयोग को करना अनिवार्य है।

1. मौखिक, सीखना साधरण पूर्वजन्म विधि एवं क्रमिक सीखना।
2. संवेदी पेशीय सीखना साधरण पूर्वजन्म विधि एवं क्रमिक सीखना।
3. मूलर लाचार, भ्रम मात्रा की माप, औसत त्रुटी विधि द्वारा।
4. प्रत्य विज्ञान परिक्षण।

नोट बुक – 10 अंक

मनोविज्ञान (प्रतिष्ठा)
तृतीय–पत्र

समयः 3 घंटे **पूर्णांक : 100**

प्रत्येक अध्याय से एक प्रश्न पूछा जायेगा। पॉच प्रश्नों का उत्तर अनिवार्य है। प्रत्येक खंड से 3 से अधिक का उत्तर न दें।

खंड (क) : मनोवैज्ञानिक शोध

1. मनोवैज्ञानिक शोध की प्रकृति एवं क्रम, एक शोध विचरण लिखें।
2. प्राकल्पना–प्राकल्पना एवं समस्याएँ, प्राकल्पना के स्रोत, गुड की प्राकल्पना विशेषताएँ।
3. साक्षात्कार – अर्थ, साक्षात्कार अनुसूची, मनोवैज्ञानिक शोध का टूल की तरह साक्षात्कार का मान, साक्षात्कार में मूल का मूल स्रोत।
4. निरीक्षण एवं प्रयोग–निरीक्षण–अर्थ, उपलब्धियॉ एवं सीमाएँ। परीक्षण– मौखिक परीक्षण, प्रयोगशाला एवं परीक्षण, प्रयोगशाला एवं परीक्षण, उपलब्धियॉ तथा सीमाएँ।
5. निर्देशन– अर्थ, देव निदर्शन, वर्गीकृत निदर्शन, निदर्शन प्रतिविधि।

खंड (क) : सांख्यिकी

1. आवृति विवरण–रेखाचित्रण आवृति, बहुभुज स्तभ्याकृति, संचयी प्रतिशत वक्र।
2. केन्द्रीय प्रवृति की माप, विचलनशीलता, मध्यमान, बहुलक, मध्यांक पतुर्दास विचलन, प्रामाणिक विचलन।
3. सामान्य सम्भावना वक्र एवं उपयोग, विक्रृत विचलन एवं कुकुदता।
4. विचलनशीलता के दो मध्यमान में भेद, संयुक्त प्रामाणिक विचलन एवं विचलन गुणांक।
5. सहसम्बन्ध–उत्पति विधि एवं कोटि अन्तर विधि।

मनोविज्ञान (प्रतिष्ठा)
चतुर्थ–पत्र
(प्रयोग एवं परीक्षण)

समयः 4 घंटे **पूर्णांक : 100**

प्रत्येक– 60 अंक

प्रयोग में दो प्रयोग करना अनिवार्य है।

1. मौखिक सीखना–साधारण पुनः निर्णय विधि एवं विशेष सीखना, पूर्वाभास एवं अनुबोधन विधि, युग्मित सहचर सीखना।
2. संवेदी पेशीय सीखना–धनात्मक अन्तरण एवं अद्वितीय बाधा।
3. मूलर लायर भैंस का माप, औसत त्रुटि विधि द्वारा।
4. अवधान विसृति एवं अवधान विमस्कता।
5. प्रत्यास्मरण एवं अभिज्ञान।

खंड (ग) नोट बुक

परीक्षण –10 अंक टेस्ट– 10 अंक

1. परीक्षार्थी उपर्युक्त परीक्षण करें एवं नोट बुक में रिपोर्ट की तैयारी कर परीक्षण के समय जरूर पेश करें।
2. विद्यार्थी उपर्युक्त बुद्वि परीक्षण हल करे।।

सहायक पुस्तकें :

मनोविज्ञान में प्रयोग एवं परीक्षण– आर 0 आर 0 पी0 सिन्हा।

अर्थशास्त्र (प्रतिष्ठा)
तृतीय–पत्र

समयः 3 घंटे **पूर्णांक : 100**

भारत की आर्थिक समस्याएँ (स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद)

1. अर्थशास्त्र की प्रकृति और सीमा, आर्थिक नियम, व्यष्टि और समष्टि अर्थशास्त्र, स्टैटिक और डाइनैनिक अर्थशास्त्र।
2. **उपभोक्ता का माइक्रो सिद्वांत –** उपयोगितावादी विश्लेषण, उदासीन वक्र विश्लेषण, मॉग का उपभोक्ताओं की बचत।
3. लागत (Cost) और राजस्व (Revenue) की धारणा, लागत घुमाव और आय घुमाव का विश्लेषण।
4. **उत्पादन प्रक्रिया** –बचत (Return) का नियम, तुल्यता की मात्रा (ISO-quantily)
5. **मूल्य (Price) का सिद्वांत** – पूर्ण प्रतियोगिता के अन्तर्गत मूल्य निर्धारण, एकाधिकार (monopoly) और अपूर्ण प्रतियोगिता।
6. **वितरण (Distribution) –** वितरण का सिमांत उत्पादकता सिद्वांत, लगन–रिकार्डो और आधुनिक सिद्वान्त, मजदूरी (Wages)–मजदूरी की मांग और आपूर्ति सिद्वांत, सामूहिक मोलभाव के अन्तर्गत मजदूरी का निर्धारण, ब्याज (Interest) ब्याज का शास्त्रीय और अपेक्षाकृत तरलता का सिद्वान्त, लाभ (Profit) – नाइट (Knight's) और शूपीटर (Schumpeture) का लाभ–सिद्वान्त।

अर्थशास्त्र (प्रतिष्ठा)
द्वितीय–पत्र
मेक्रो (समष्टि) अर्थशास्त्र

समयः 3 घंटे **पूर्णांक : 100**

1. **मुद्रा (Money) –** आर्थिक व्यवस्था में मुद्रा की भूमिका, मुद्रा का मूल्य, आदान–प्रदान और मुद्रा परिणाम सिद्वांत का नकद–शेष स्वरूप (Cash balance), आय–व्यय सिद्वांत, स्फीतिजनक अंतर, लागत वृद्वि स्फीति और मांग प्रेरित स्फीति मुद्रास्फीति पर नियंत्रण के साथ मौदिक नीति के उद्देश्य।
2. **राष्ट्रीय भाव** –आय निर्धारण के सिद्वांत, प्रभावकारी मॉग का केन्सियन (Keynesian) सिद्वांत उपभोग किया, विनियोग (Investment) प्रक्रिया।
3. **बैकिंग (Banking) –** व्यावसायिक बैंको के सिंद्वांत, साख निर्माण, केन्द्रीय बैंक का कार्य, साख नियंत्रण के तरीके।

4. **अन्तराष्ट्रीय मुद्रा प्रणाली** – स्वर्णमौन (Gold Standard), IMF (अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष), IBRD, IFD (अन्तर्राष्ट्रीय वित निगम), IDA (अन्तर्राष्ट्रीय विकास संघ) और W.T.O.
5. **अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार** – आर्थिक विकास में अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार की भूमिका, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार के परम्परावादी एवं आधुनिक सिद्वांत, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार से लाभ, भुगतान संतुलन एक प्रतिकूल भुगतान संतुलन को सही करने के तरीके।

अर्थशास्त्र (सहायक)
माइक्रो अर्थशास्त्र

समयः 3 घंटे **पूर्णांक : 100**

1. व्यष्टि और समष्टि अर्थशास्त्र।
2. उपयोगिता विश्लेषण, मॉग का नियम, मॉग की लोच।
3. प्रतिफल के नियम, जनसंख्या के सिद्वांत, लागत विश्लेषण।
4. पूर्ण प्रतियोगिता एवं एकाधिकार के अन्तर्गत लागत।
5. **राष्ट्रीय आय** – वितरण का सीमान्त उत्पादकता सिद्वान्त।
   लगान – रिकार्डियन सिद्वान्त।
   मजदूरी – मजदूरी की मॉग और पूर्ति संबंधी सिद्वान्त।
   ब्याज – शास्त्रीय और ब्याज दर की तरलता का अधिमान सिद्वान्त।
6. आर्थिक व्यवस्था में मुद्रा की भूमिका।
7. आदान–प्रदान एवं मुद्रा का परिमाण सिद्वान्त का नगद शेष स्वरूप।
8. मुद्रा स्फीति – कोर्स और उपचार।
9. व्यावसायिक और केन्द्रीय बैंकों के कार्य।
10. IMF, IBRD के उद्देश्य एवं कार्य।
11. कर निर्धारण के सिद्वान्त।
12. **लोकखर्च (Public expenditure)** – इसके प्रभाव एवं विकास के कारण।
13. अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का तुलनात्मक लागत सिद्वान्त।
14. मुक्त व्यापार एवं संरक्षण।